मदिरारूण आँखों वाले उन
उन्मद किन्नर-किन्नरियों की
मृदुल मनोरम अंगुलियों को,
वंशी पर फिरते देखा है

(ख) एकाएक उठ पड़ा आत्मा का पिंजर
मूर्ति की ठठरी।
नाक पर चश्मा, हाथ में डण्डा,
कन्धे पर बोरा, बाँह में बच्चा।
आश्चर्य! अदभुत! यह शिशु कैसे।।
मुसकरा उस द्युति-पुरूष ने कहा तब-
''मेरे पास चुपचाप सोया हुआ यह था।
सँभालना इसको, सुरक्षित रखना''

**इकाई - तीन**

6. 'कुरूक्षेत्र' के 'षष्ठ सर्ग' में कवि ने मानव-समाज की किन समस्याओं का निरूपण किया है? आपकी दृष्टि में कवि द्वारा प्रस्तुत समाधान यर्थार्थवादी हैं या आदर्शवादी? विचार कीजिये।20

7. क्या आप मानते हैं कि 'असाध्य वीणा' में आम जनजीवन की समस्याओं के स्थान पर व्यक्ति विशेष की आध्यात्मिक चेतना की अभिव्यक्ति हुई है? युक्ति युक्त विवेचन कीजिए। 20

**इकाई - चार**

8. जनकवि बाबा नागार्जुन की कविता में निहित उनकी लोकोन्मुखता और विद्रोही चेतना को सोदाहरण उद्घाटित कीजिए। 20

9. ' ''अंधेरे में'' शीर्षक कविता वस्तुतः मानवता के उजाले की महागाथा है।'- इस कथन के औचित्य पर विचार कीजिए। 20





Roll No. _____

# AS-2168

## एम. ए. (चतुर्थ सेमेस्टर) परीक्षा, 2015

### हिन्दी

### द्वितीय प्रश्न-पत्र

### (छायावादोत्तर काव्य)

**समय :तीन घण्टे** **पूर्णांक : 100**

**निर्देश :** **प्रथम** प्रश्न **अनिवार्य** है। शेष चार इकाइयों में से प्रत्येक से **एक** प्रश्न कीजिये।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के लघूत्तर दीजियेः 4×5=20

(क) 'बौद्धिक वर्ग है क्रीत दास'- कवि की इस धारणा का मूल कारण क्या है? स्पष्ट कीजिये।

(ख) 'खोजना चढ़ दूसरों के भस्म पर उत्थान'-यहाँ कवि विकसित आधुनिक समाज की किस विडंबना की ओर संकेत कर रहा है?

(ग) 'जाने दो, वह कवि-कल्पित था'-इस पंक्ति में किस कवि की कैसी कल्पना की चर्चा की गई है?

(घ) 'अवतरित हुआ संगीत'- कब, कहाँ और कैसा संगीत अवतरित हुआ? उस संगीत की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ड.) 'मर गया देश, अरे, जीवित रह गये तमु!-कवि की इस उक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए

## इकाई - एक

2. निम्नलिखित अवतरणों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिएः10×2=20

(क) यह मनुज ज्ञानी, शृगालों, कुक्करों से हीन
हो, किया करता अनेकों क्रूर कर्म मलीन।
देह ही लड़ती नहीं, हैं जूझते मन-प्राण,
साथ होते ध्वंस में इसके कला-विज्ञान।
इस मनुज के हाथ से विज्ञान के भी फूल,
वज्र होकर छूटते शुभ धर्म अपना भूल।

(ख) किन्तु अंगी, तू अक्षत, आत्म-भरित
रसविद्
तू गाः
मेरे अँधियारे अन्तस् में आलोक जगा
समृति का
श्रुति का-
तू गा, तू गा, तू गा, तू गा!

3. निम्नलिखित अवतरणों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिएः

(क) श्रेय होगा धर्म का आलोक वह निर्बन्ध, 2×10=20
मनुज जोड़ेगा मनुज से जब उचित सम्बन्ध।
साम्य की वह रश्मि स्निग्ध, उदार,
कब खिलेगी, कब खिलेगी विश्व में भगवान?
कब सुकोमल ज्योति से अभिसिक्त
हो, सरस होंगे जली-सूखी रसा के प्राण?

(ख) ओ शरण्य!
मेरे गूँगेपन को तेरे सोये स्वर-सागर का ज्वार डूबा ले!
आ, मुझे भुला,
तू उतर बीन के तारों में





अपने से गा
अपने को गा-
अपने खग-कुल को मुखरित कर

## इकाई - दो

4. निम्नलिखित अवतरणों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिएः

(क) दिल ने कहा- अरे यह बालक 2×10=20
निम्न वर्ग का नायक होगा
नई ऋचाओं का निर्माता
नए वेद का गायक होगा
होंगे इसके सौ सहयोद्धा
लाख-लाख जन अनुचर होंगे
होगा कर्म-वचन का पक्का
फोटो इसके घर-घर होंगे।

(ख) सवाल है- मैं क्या करता था अब तक,
भागता फिरता था सब ओर।
(फ़िज़ूल है इस वक्त कोसना ख़ुद को)
एकदम जरूरी दोस्तों को खोजूँ
पाऊँ मैं नये-नये सहचर
सकर्मक सत्-चित् वेदना-भास्कर!!

5. निम्नलिखित अवतरणों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिएः

(क) लोहित चंदन की त्रिपटी पर, 2×10=20
नरम निदाग बाल-कस्तूरी
मृग छालों पर पलथी मारे